

Published Date:	15 Jan 2025	Publication:	Navbharat Times (Hindi) [New Delhi]
Journalist:	Bureau	Page No:	16
Circulation:	367,246		

दुनिया में तनाव के बीच सोने और चांदी में बनी रहेगी तेज़ी : रिपोर्ट

■ **NBT रिपोर्ट :** दुनिया भर में चल रहे तनाव की वजह से इस साल सोने की डिमांड बढ़ सकती है। टाटा म्यूचुअल फंड की मंगलवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक, इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से चांदी की डिमांड भी बनी रहेगी। इकॉनमिक टाइम्स के मुताबिक, पिछले दो सालों में सेंट्रल बैंकों ने सोना

इंडस्ट्रियल डिमांड से चांदी, भू-राजनीतिक अस्थिरता से सोने में उछाल संभव

भी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी वजह ये है कि सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व में डाइवर्सिफिकेशन करना चाहते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2025 में निवेशकों द्वारा सोने की खरीदारी बढ़ सकती है। वजह ये है कि ट्रेड वॉर और दुनिया की इकॉनमी की चिंताओं के बीच लोग सोने को सुरक्षित निवेश मानेंगे। वहीं, अमेरिका में नए बनने वाले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की पॉलिसी से महंगाई बढ़ने और सप्लाय चैन में दिक्कत आने की आशंका है। लेकिन, फंड का रवैया सोने के लिए फायदेमंद हो सकता है। ग्रीन इकोनॉमी खासकर सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वीडेकल्स, चार्जिंग

खूब खरीदा है। 2022 में रेकॉर्ड 1081.9 टन और 2023 में 1037.4 टन। ये खरीदारी आगे



AI Image

स्टेशन, पावर ग्रिड, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी चीजों में निवेश की वजह से औद्योगिक क्षेत्र में चांदी की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

सोना/चांदी का अनुपात (फिलहाल लगभग 90 के आसपास) दर्शाता है कि चांदी, सोने के मुकाबले बहुत कम कीमत पर है। इसलिए 2025 में चांदी

सोने से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। जनवरी-फरवरी में इंडस्ट्रियल डिमांड ज्यादा होने की वजह से चांदी की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, डॉलर के मजबूत होने और ब्याज दरों में बढ़ोतरी से 2025 की पहली तिमाही में मुनाफा सीमित रह सकता है।

2024 में लगातार चौथे साल चांदी की कमी रहने के बाद 2025 में सप्लाय बेहतर होने की उम्मीद है। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें, भू-राजनीतिक अस्थिरता, चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार और चांदी के ETF में निवेश का जारी रहना, चांदी के लिए कुछ सकारात्मक संकेत हैं।

सिल्वर ETFs क्यों बने निवेशकों की पसंद?

भारतीय निवेशकों के लिए चांदी में निवेश करने का एक आधुनिक और आसान तरीका है सिल्वर ETFs। इन खास मेटल एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में पहले से ही 14,000 करोड़ रुपये का निवेश है। किफायती, सुरक्षित और आसान होने के फायदों के साथ ये ETFs लॉकर में बिना असली चांदी रखने की परेशानी के साथ पोर्टफोलियो में विविधता लाने का मौका देते हैं। ये ETFs स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होते हैं और इन्हें शेयरों की तरह आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। इसके लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। चांदी SEBI द्वारा रेगुलेटेड कस्टोडियन के पास सुरक्षित रखी जाती है। इससे निवेशकों को चिंता करने की जरूरत नहीं होती है।